ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA, TRIVENIGANJ

Report on- Departmental Seminar

Name of the Event	Seminar on the topic :- " **Sociology is the study of Human Society** "
Date of the Event	03.05.2023
Venue of the Event	College Conference Hall
Organized By	Department of Sociology
No of Participant	44
Resource Persons	Not Applicable
Transcript of M.O.M. in English	**Department of Sociology** Today on dated 03.05.2023 on the recommendation IQA Cell a workshop is organised by the Department of Sociology in conference Hall of Anooplal Yadav Mahavidyalaya, Triveniganj(Supaul) under the chairmanship of Prof. Hemant Kumar, H.O.D. Sociology. Topic :- "Sociology is the study of Human Society"

सूचना

समाजशास्त्र विभाग स्नातक पार्ट -1 (प्रतिष्ठा), सत्र 2022-23 के सभी छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक- 03.05.2023 रोज बुधवार को दिन के 11.00 बजे पूर्वाह्न महाविद्यालय के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा | आप सभी छात्र/छात्राओं की उपस्थिति आवश्यक है। सभी छात्र/छात्रा अपना मोबाईल न० , आधार कार्ड तथा पैन कार्ड की छायाप्रति साथ लाएंगे।

Hemant Kumar
18.4.023

विभागाध्यक्ष
समाजशास्त्र विभाग
अनुपलाल यादव महाविद्यालय
त्रिवेणीगंज सुपौल बिहार

NOTICE OF THE EVENT

बैठक सं० – 12

Page No. 33
Date

दिनांक 03.05.023 दिन बुधवार को महाविद्यालय के तत्वाधान में समाजशास्त्र विभाग के कार्यशाला [illegible] डॉ० हेमन्त कुमार, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र) की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें "Students teache meet together. Topic for skill enhancement of Students" "Sociology is the Study of human Society" पर विचार व चर्चा की गई। कार्यशाला में निम्नलिखित शिक्षक एवं शिक्षेतर कर्मी तथा छात्र/छात्राएँ उपस्थित हुए।

03.05.023
PRINCIPAL
ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA
Tribeniganj, Supaul (Bihar)

03.05.023
IQAC Co-ordinator

धन्यवाद ज्ञापन Hemant Kumar
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग
A.L.Y. College
Tribeniganj
Hemant Kumar
3.5.023

1 Surendra prasad yadav. (A.I.H. & Culture)
2 Arun Kumar — Eco
3 Ramakant yadav. Sociology
4 Chhatradhari Pd Yadav Sociology
5 Someshwar (Computer Diploma, ALY College)
6 [illegible] — हिन्दी विभाग, A.L.Y College
7 Bimod Kumar Das — Deptt - Drama
8 Vidyanand yadav " " — SNK
9 Shambhu yadav Geography
10 [illegible]
11 [illegible]
12 Arbind Kum Yadav — Soc
13 Kamal Kishor yadav Bot
14 Suryanarayan Yadav — Bot.
15 [illegible] Yadav — Bot.

M. O. M. & ATTENDANCE OF THE EVENT

Page No. 34
Date

छात्र/छात्रा - छात्राएँ 2107

1	रेवती कुमारी	842
2	निक्की कुमारी	254
3	काजल कुमारी	849
4	दिलखुश कुमारी	855
5	सतेंद्र कुमार	~~70~~ 1071
6	सजन कुमार	777
7	कंचन कुमारी	1038
8	बेबी कुमारी	723
9	रिया कुमारी	599
10	रुबिया खातून	
11	शिखा कुमारी	~~700~~
12	भारती कुमारी	~~324~~ → 6
13	प्रियांशु कुमार	
14	शमा परवीन	→ 798
15	रवीना कुमारी	601
16	रोशनी प्रवीन	
17	संजीदा प्रवीण	
18	सीमा कुमारी	→ 993
19	नाश कुमारी	→ 700
20	नयन कुमारी	
21	संगीता कुमारी	→ 1079
22	~~विनेन्द्र~~ कुमार	
23	ABHISHEK Kumar	— 913
24	Ranjit Singh	
25	Salem Kumar	
26	Arti Kumari	—614

STUDENT ATTENDANCE OF THE EVENT

GEO-TAG PHOTO OF THE EVENT

PHOTOGRAPH OF THE EVENT

Principal

Principaal

Ref. ..... Date .....

भागलपुर | गुरुवार, 4 मई, 2023 | 16 दैनिक भास्कर त्रिवेणीगंज • रतनपुर • निर्मली

कार्यशाला • समाजशास्त्र की कार्यशाला में शिक्षण कौशल विषय के महत्व के बारे में दी जानकारी

समाजशास्त्र का अध्ययन प्रत्येक मनुष्य के लिए व्यवहारिक जीवन में आवश्यक

भास्कर न्यूज। त्रिवेणीगंज

अनुमंडल स्थित एएलवाई कॉलेज सभागार में बुधवार को समाजशास्त्र विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता समाजशास्त्र विषय के विभागाध्यक्ष डॉ हेमंत कुमार ने की। उनके द्वारा कार्यशाला का मुख्य विषय शिक्षण कौशल रखा गया।

जिसका मुख्य उद्देश्य प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर जागरूक करना था। विभागाध्यक्ष डॉ हेमंत कुमार द्वारा आधुनिक युग में समाजशास्त्र विषय के महत्व को बताया गया। उन्होंने बताया कि समाजशास्त्र मुख्य रूप से समाज,सामाजिक संबंधों, सामाजिक जीवन, सामाजिक घटनाओं, व्यक्तियों के व्यवहार एवं कार्यों, सामाजिक समूहों एवं सामाजिक अंतः क्रियाओं का अध्ययन करने वाला विषय है। यह एक आधुनिक विज्ञान है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। मनुष्य के बिना समाज का निर्माण नहीं हो सकता। मनुष्य के पास नई समस्याएं, नई चुनौतियां, नया आविष्कार, नए परिवर्तन के लिए सामाजिक अध्ययन आवश्यक है। समाजशास्त्र में सत्यापनियता, कार्य-कारण संबंधों की स्थापना का गुण, पूर्वानुमान, आनुभाविक अध्ययन एवं सार्वभौमिकता की दशाएं विद्यमान हैं।

कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता, मंचासीन प्राचार्य व अन्य।

इस प्रकार समाजशास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है। जिसका अध्ययन प्रत्येक मनुष्य के लिए व्यावहारिक जीवन में आवश्यक है। प्राचार्य डॉ जयदेव प्रसाद यादव ने छात्र-छात्राओं को अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के उपाय पर प्रकाश डालते हुए कॉलेज के विधि-व्यवस्था एवं विभिन्न संरचना से अवगत कराया एवं नियमित कॉलेज आने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में प्रो रामानंद यादव, प्रो छत्रधारी प्रसाद यादव, प्रो देवनारायण यादव, प्रो विनोद कुमार विमल, प्रो विद्यानंद यादव, प्रो शंभू यादव, सोनू स्नेहिल, सुरेंद्र कुमार, भूषण कुमार, गगन कुमार, दिग्दर्शन, प्रभात कुमार, जलेश्वर भगत, मनोज कुमार तथा अन्य एवं समाजशास्त्र विषय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

13.06.023

Principal

Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya

Triveniganj, Supaul (Bihar)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

भागलपुर, बुधवार, 4 मई 2023 04

कार्यशाला

एएलबाई कॉलेज में समाजशास्त्र विषय पर कार्यशाला का किया गया आयोजन, 1838 में आगस्त कॉमटे ने समाजशास्त्र को विषय के रूप में किया था स्थापित

समाजशास्त्र विषय का अध्ययन सभी लोगों के लिए आवश्यक

त्रिवेणीगंज, निज प्रतिनिधि।

एएलबाई कॉलेज में गुरुवार को समाज शास्त्र विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता समाज शास्त्र विषय के विभागाध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार ने की। उन्होंने कहा कि समाज शास्त्र मुख्य रूप से समाज, सामाजिक संबंधों, सामाजिक जीवन, सामाजिक घटनाओं, व्यक्तियों के व्यवहार, सामाजिक समूह और समाजिक अंतः क्रियाओं का अध्ययन करने वाला विषय है। यह एक आधुनिक विज्ञान है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। मनुष्य के बिना समाज का निर्माण नहीं हो सकता है। मनुष्य के पास नई समस्याएं, नई चुनौतियां, नया आविष्कार, नए परिवर्तन के लिए सामाजिक अध्ययन आवश्यक है। समाज शास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है, जिसका अध्ययन प्रत्येक मनुष्य के लिए व्यावहारिक जीवन में आवश्यक है। यह राजनीति शास्त्र, अर्थ शास्त्र, मनोविज्ञान और मानव शास्त्र की तरह एक सामाजिक विज्ञान है। यूरोप में विभिन्न घटनाओं, आंदोलन और क्रांतियों के फलस्वरूप कई सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक परिवर्तन हुए। इन बदलाव के कारण समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने के लिए एक नए विषय की आवश्यकता महसूस हुई। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए समाज शास्त्र का उद्भव हुआ और 1838 में आगस्त कोमटे ने समाज शास्त्र को विषय के रूप में स्थापित किया। प्रो. रामानंद यादव ने कहा कि समाज शास्त्र को एक नवीन विज्ञान के रूप में स्थापित करने का श्रेय फ्रांस के प्रसिद्ध विद्वान आगस्त कोंट्टे को है। उन्होंने 1838 में इस नए विषय को समाज शास्त्र नाम दिया था। इसलिए आगस्त कोमटे को समाज शास्त्र का जनक कहा जाता है।

एएलबाई कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में मौजूद लोग।

नियमित रूप से छात्रों को कॉलेज आने की अपील

प्राचार्य डॉ. जयदेव प्रसाद यादव ने छात्रों को अच्छी शिक्षा ग्रहण के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय की विधि व्यवस्था और विभिन्न संरचना से अवगत कराया और नियमित कॉलेज आने के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर प्रो. छत्रधारी प्रसाद यादव, प्रो. नारायण यादव, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. विमल, प्रो. विद्यानंद यादव, प्रो. इंदु यादव, सोनू स्नेहिल, सुरेंद्र कुमार, भूषण कुमार, रमन कुमार, दिनेश्वर प्रसाद कुमार, जलेश्वर भगत थे।

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

Principal
Gopal Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

Full signature of IQAC Coordinator

Important:

This report should also be accompanied with the following documents:

1. Notice of the Event
2. M.O.M. of the Program
3. Original Attendance Record
4. Geo-tagged and Non Geo-tagged Photographs of the Events
5. Copy of Newspaper Release